Sanskrita Evam Naitikata

संस्कृत एवं नैतिकता

Document Information

Text title : Sanskrita Evam Naitikata

File name : sanskRRitaevaMnaitikatA.itx

Category : misc, sanskritgeet

Location : doc_z_misc_general

Author : Vasudev Dwivedi Shastri

Proofread by : Mandar Mali

Description/comments : Sanskrita Prachara Pustaka Mala Sangraha 37

Acknowledge-Permission: Uttara Pradesha Sarvabhauma Sanskrit Prachar Karyalaya

Latest update : May 19, 2024

Send corrections to : sanskrit at cheerful dot c om

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

Please help to maintain respect for volunteer spirit.

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

May 19, 2024

sanskritdocuments.org

संस्कृत एवं नैतिकता

संस्कृत भाषा ही मानव में पावन भाव जगाती,
इसके छाया-स्पर्श मात्र से नैतिकता आ जाती । ०
धर्मभाव से इसका सारा जीवन ओत-प्रोत,
इसकी स्वर-लहरी से निर्गत भक्ति-भाव का स्रोत,
इसकी शिल्प-कला में अङ्कित मानव का कल्याण,
पंचशील ही इसकी शिक्षाओं के पंच प्राण,
यह मनुष्यता के उच्चासन पर नर को बिठलाती,
संस्कृत भाषा ही मानव में पावन भाव जगाती । १
कामशास्त्र भी इसका इन्द्रिय-जय ही है सिखलाता,
अर्थशास्त्र भी नहीं पाप से अर्थार्जन बतलाता,
राजनीति में भी इसके हैं धर्मनीति का स्थान,
रण में भी नैतिक नियमों का होता है सम्मान,
महाकष्ट में भी पापों से यह बचना सिखलाती,
संस्कृत भाषा ही मानव में पावन भाव जगाती । २

– रचयिता - श्री. वासुदेव द्विवेदी शास्त्री

Proofread by Mandar Mali

Sanskrita Evam Naitikata
pdf was typeset on May 19, 2024

Please send corrections to *sanskrit@cheerful.com*